चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.8.22	9	3-8

वैज्ञानिकों, अधिकारियों, बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण को सामूहिक प्रयास की जरूरत

■ किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुंडी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है।

अगला एक माह कपास के लिए महत्वपूर्ण

कुलपति ने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल के लिए संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय गुलाबी सुंडी की निगरानी के साथ पोषक तत्वों के प्रयोग पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी।

नरमा के अच्छे उत्पादन के लिए रणनीति

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आरपी सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत करवाया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एसके वर्मा ने गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन के लिए रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन के लिए किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी।

नरमा की स्थिति पर चर्चा

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.8.22	3	1-4

गुलाबी सूंडी नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सूंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सूंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सूंडी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है, जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यशाला में संबोधित करते कुलपति प्रो.बीआर कांबोज। संवाद

पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सूंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सूंडी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आरपी सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सूंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया।

केंद्रीय कपास अनुसंधान केंद्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एसके वर्मा ने गुलाबी सूंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.8.22	3	3

कपास की फसल में गुलाबी सुंडी पर कृषि वैज्ञानिकों की नजर

एचएयू में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हित धारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

नरमा फसल पर भी चर्चा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की, जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26.8.22	4	2-4

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुंडी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुंडी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल के लिए संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया। एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। गुलाबी सुंडी की निगरानी के साथ पोषक तत्वों पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी। उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए। • पीआरओ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.8.22	4	2-4

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरतः कुलपति प्रो.काम्बोज

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए।

हिसार, 25 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है, जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एस.के. वर्मा ने गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.8.22	5	1-5

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण हेतु सामूहिक प्रयास करने की ज़रूरत : कुलपति

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा

हिसार, 25 अगस्त (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता

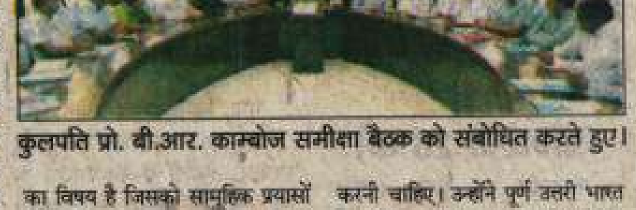

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए।

का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल हेतु संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय गुलाबी सुंडी की निगरानी के साथ पोषक तत्वों के प्रयोग पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एस.के. वर्मा ने गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी कपास फसल के लिए उनके द्वारा किए गए प्रचार-प्रसार के कार्यों से अवगत करवाया। बैठक के अंत में कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया। मंच का संचालन सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	26.8.22	4	3-5

कपास में गुलाबी सुंडी से किसानों में चिंता

समीक्षा बैठक में समस्या के निदान के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर

हिसार, 25 अगस्त (निस)

इन दिनों कपास की फसल में लगी गुलाबी सुंडी ने किसानों के ही नहीं बल्कि कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों व निजी बीज व दवाई कंपनियों के भी पसीने छुड़ा दिए हैं। समस्या का हल निकालने के लिए हकृवि में हुई समीक्षा बैठक में भी अधिकारियों ने इसके निदान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज व दवाई कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा मध्य-मौसम समीक्षा बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए।

बैठक में हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ जीतराम शर्मा, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वैज्ञानिक डॉ विजय और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ रूपसिंह मीणा ने अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	25.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल हेतु संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय गुलाबी सुंडी की निगरानी के साथ पोषक तत्वों के प्रयोग पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी। बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत करवाया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एस.के. वर्मा ने गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी कपास फसल के लिए उनके द्वारा किए गए प्रचार-प्रसार के कार्यों से अवगत करवाया। बैठक के अंत में कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया। मंच का संचालन सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	25.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत : प्रो. काम्बोज

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहाग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की बिक्री एवं गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एस.के. वर्मा ने गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की।

बैठक में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव, सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	26.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान

सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Yugmarg	26.8.2022	--	--

HAU student Ankit selected for postgraduate course in top German university

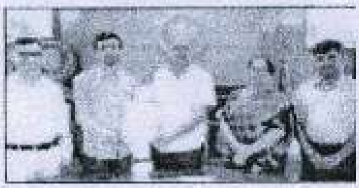

HISAR: Ankit, a BSc (Hons) Agriculture student of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, has been selected for admission to the two-year Master of Science degree course at the Technical University, Munich, one of the top German universities. He will do education and research in the subject of agricultural bio-science there. Will get free education with zero tuition fee marked during the course.Vice Chancellor Prof. BR Kamboj praised Ankit for this achievement and wished him all the best for his bright future. The Vice Chancellor said that it is a matter of pride that Ankit has been selected in the top university of Germany. He said that in recent years many students of the University have gone to many renowned universities of the world to pursue higher academic degrees. He said that today HAU is one of the world class universities as not only students from here go abroad for studies but foreign students are also coming here for studies. He said that Ankit is the ninth student among those going to foreign universities for higher education in the last four months.Ankit has given the credit of this achievement to the encouragement given by his parents as well as the facilities of education available in Haryana Agricultural University and the guidance given by the teachers of the university.N.S.S. with studies at Ankit Haryana Agricultural University. He has also been an active volunteer of and has also parscipated in the Republic Day Parade. Dr. Surendra Kumar Pahuja, Dean of Agriculture College. Dr. Asha Kwatra, Incharge of International Cell and Dr. Anil Dhaka, Co-Director of Student Counseling and Planning Unit were also present on the occasion. He also congratulated Ankit on this achievement.